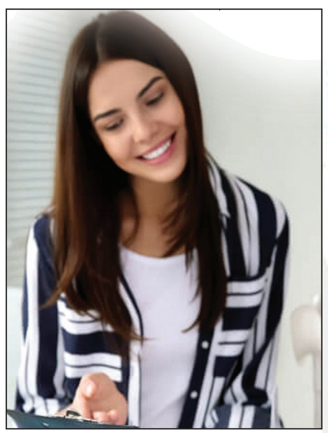

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महिलाओं की हरी समस्या का उपचार करती है।.... पेज: 7

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली वायोपिक ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 07 | बुधवार 08 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सालों का इंतजार खत्म ! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंज़ूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ला बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह ऽदुर्लभतमऽ मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरु होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ !

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैंज्सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्व कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्त्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है।

साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दशार्ता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को ह्यईस्टर का चमत्कारह्व बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिर तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दशार्ती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निर्देशानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्व कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्डा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मिशन शक्ति अभियान के तहत ब्लू बर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में महिला सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल, धनौरा में महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कुल 36 महिला शिक्षकों, छात्राओं/बच्चों एवं महिला जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। साथ ही जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त मिशन शक्ति केंद्र की प्रभारियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया तथा महिला सशक्तिकरण के संदेश को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, मिशन शक्ति अभियान एवं थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों की उपयोगिता एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

ओटीपी के बिना नहीं मिलेगा गैस सिलेंडर, सप्लाई इंस्पेक्टर ने जारी किए सख्त निर्देश

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाए रखने के लिए सप्लाई इंस्पेक्टर वेद प्रकाश ने सभी गैस एजेंसियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब बिना डीएसी/ओटीपी के किसी भी उपभोक्ता को गैस रिफिल नहीं दिया जाएगा और वितरण में नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

सप्लाई इंस्पेक्टर ने एजेंसियों को निर्देशित किया है कि वे उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए अलग से हेल्प काउंटर स्थापित करें, जहां केवाईसी से संबंधित समस्याएं या तकनीकी त्रुटियों का तत्काल निस्तारण किया जा सके।

उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई है, उन्हें नियमित रूप से गैस आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में नौगावां गैस एजेंसी के करीब 2000 कनेक्शन जमुना गैस एजेंसी में ट्रांसफर किए गए हैं, जहां संबंधित उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

गैस एजेंसियां उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर सूचना देकर ओटीपी के माध्यम से ही सिलेंडर की डिलीवरी कर रही हैं। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और धैर्य बनाए रखें। सप्लाई विभाग के अनुसार, वर्तमान व्यवस्था के तहत लगभग 45 दिन के अंतराल पर गैस बुकिंग के बाद सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे एक उपभोक्ता को वर्ष में लगभग 9 से 10 सिलेंडर मिल सकते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं से गैस के उपयोग में मितव्ययता बरतने की अपील की गई है।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करता हुआ पाया जाता है या अफवाह फैलाकर शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गैस आपूर्ति पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वच्छता समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ओएसआर से विभिन्न स्रोतों से अर्जित आय एवं सृजन हेतु स्रोत का चिन्हीकरण की समीक्षा, ग्राम पंचायतों में जलभराव का विवरण, आर०आर०सी० क्रियाशीलता की समीक्षा और मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी के अंतर्गत 100 तालाबों को मॉडल तालाब के रूप में तैयार किए जाने की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा ओएसआर से विभिन्न स्रोतों से अर्जित आय की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि समस्त ग्राम पंचायतें स्वयं की आय के और स्रोतों को चिन्हित करें जिससे कि भविष्य में ग्राम पंचायतें अपनी स्वयं की आय से आत्मनिर्भर बनते हुए विकास कार्यों को कराने में सक्षम हो सके। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना बनाते हुए अधिक से अधिक आय अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी आर०आर०सी० को क्रियाशील रखने और घर घर से कूड़ा एकत्रीकरण का कार्य नियमित रूप से करने के निर्देश दिए और इसके प्रभावी संचालन के लिए गांवों के लोगों को जोड़ते हुए उनसे सहयोग प्राप्त करें। साथ ही स्वच्छता शुल्क भी प्राप्त करें। पंचायत सचिव रजत यादव, विकास कुमार और अविनाश कुमार द्वारा कार्यों में लापरवाही करने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। इसके साथ सबसे कम ओएसआर अर्जित करने वाले 10 पंचायत सचिवों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। विभिन्न ग्राम पंचायतों में आगामी वर्ष में संभावित ओएसआर से अर्जित आय के आंकड़े उपलब्ध कराने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। पंचायतों में बनी लाइब्रेरी का संचालन बेहतर तरीके से करने के साथ आय अर्जित करने के निर्देश दिए। सभी पंचायत सचिवों को ग्रामों में सीएम युवा योजना का प्रचार प्रसार करते हुए अप्रैल माह में 05-05 पात्रों को लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में जलभराव की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी के अंतर्गत 100 तालाबों को मॉडल तालाब के रूप में तैयार किए जाने के लिए चिन्हित कर एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, समस्त खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, पंचायत सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, पर्यवेक्षक और प्रगणकों का प्रशिक्षण 16 अप्रैल से

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आगामी जनगणना-2027 को सफल एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनगणना दो चरणों में होनी है। पहले चरण के लिए होने वाले गणना में किसी तरह की कमी या चूक नहीं हो, इसको लेकर जिलाधिकारी व प्रमुख जनगणना अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला जनगणना अधिकारी, जनगणना समन्वय समिति के सदस्य, सभी उप जिलाधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं जनगणना 2027 के लिए बनाए गए 13 चार्ज अधिकारी के साथ-साथ जनगणना कार्य निदेशालय के जिला प्रभारी व्यास नंदन उपस्थित रहे। जनगणना में कोई क्षेत्र छूटे नहीं, इसके लिए सम्पूर्ण जिले को कुल 3682 गणना ब्लॉक में विभाजित किया गया है। गणना ब्लॉक में कुल 3520 प्रगणकों द्वारा घर घर जाकर जनगणना संबंधी आंकड़ों को इकट्ठा किया जाएगा। जनगणना कर्मचरियों का पर्यवेक्षण 590 पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित करने के लिए 64 फील्ड ट्रेनरों द्वारा जनगणना कर्मचारियों को दिनांक 16 अप्रैल से 06 मई की अवधि में ट्रेनिग दी जाएगी। पहले चरण में मकान का सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून के मध्य किया जाना है। इससे पहले स्वगणना 07 मई से 21 मई तक होगी। फिर दूसरे चरण की जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होगी। जनगणना कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए कुल 96 बैच बनाए गए है, हरेक बैच में अधिकतम 50 कर्मचारी रहेंगे। प्रत्येक बैच की प्रशिक्षण अवधि 3 दिन होगी। जनगणना कर्मचारियों की निगरानी एवं प्रबंधन का कार्य उटटर पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा । इस बार की जनगणना मोबाइल एप के माध्यम से की जानी है। ऐसे में एक गणना ब्लाक के अधीन 700-800 की जनसंख्या को रखा गया है। जनगणना पेपर लेस होगी। इसको लेकर एप कार्य करेगा। जहां स्वगणना का विकल्प मौजूद रहेगा, वहां के लोगों से हिंदी, अंग्रेजी सहित 16 भाषाओं में डेटा एकत्र किया जाएगा। डिजिटल गणना से डेटा जुटाने और इसे सेंट्रल सर्वर तक सीधे भेजने की सुविधा होगी। यह भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व सभी चार्ज पदाधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। मकानों की गणना में 33 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें फर्श में प्रयुक्त सामग्री, दीवार में प्रयुक्त सामग्री, छत में प्रयुक्त सामग्री क्या-क्या लगी है। साथ ही जनगणना मकान का उपयोग रहने के लिए, दुकान, गोदाम आदि, उसकी स्थिति अच्छी है या खराब, परिवार की बुनियादी जानकारी, जिसमें कितने व्यक्तियों की है। परिवार के मुखिया का नाम, मुखिया का लिंग, मुखिया एससी, एसटी या अन्य, मकान के स्वामित्व की स्थिति स्वयं का, किराए का, सरकारी आदि है। इसके अलावा परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपत्तियों की संख्या, पेयजल का मुख्य स्रोत, उपलब्धता घर में, बाहर, दूरी आदि, प्रकाश बिजली, लालटेन, सोलर, शौचालय की सुलभता, प्रकार फ्लश, पिट, कोई नहीं, गंदे पानी की निकासी, स्नानगृह की उपलब्धता, लैपटॉप, कंप्यूटर, टेलीफोन, मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, साइकिल, स्कूटर, बाइक, मोपेड, कार, जीप, वैन की भी जानकारी ली जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी पर्यवेक्षक और प्रगणक को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथि और समय पर प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि जनगणना-2027 का कार्य जनपद में प्रभावी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके। सभी अधिकारी प्रशिक्षण के लिए शीघ्रता से स्थान का चयन कर लें। इसके साथ ही रिजर्व कार्मिकों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह, समस्त उप जिला जनगणना अधिकारी, चार्ज अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा में गैस सिलेंडर ना मिलने पर उपभोक्ताओं ने स्टेट हाईवे जाम कर किया प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत से परेशान उपभोक्ताओं ने स्टेट हाईवे जाम कर दिया। गैस एजेंसी से कई दिनों से सिलेंडर न मिलने के विरोध में महिलाओं और पुरुषों ने यह प्रदर्शन किया। साप्ताहिक बाजार के दिन हुए इस जाम से हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें जनपद के थाना मंडी धनौरा में प्रदर्शनकारी उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई दिन पहले ही सिलेंडर के लिए ऑनलाइन भुगतान कर दिया था, लेकिन उन्हें डिलीवरी नहीं मिली। उपभोक्ताओं के अनुसार, वे प्रतिदिन एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, पर उन्हें केवल आश्वासन देकर लौटा दिया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।हाईवे जाम की सूचना पर पुलिस बल और अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भीड़ को शांत किया और उपभोक्ताओं को जल्द गैस उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद लगभग आधे घंटे तक चला जाम खुल सका।प्रदर्शन में बछरायूं से शमा, शिवपुरी से मुन्नी व सुनीता, मलहुपुरा से मुकुल कुमार और राहुल शर्मा, तथा टंडेरा से इंद्रों, वीर सिंह और बीरबल जैसे प्रमुख उपभोक्ता शामिल थे।एचपी गैस एजेंसी के मालिक योगेन्द्र चौधरी ने बताया कि मंगलवार को सप्लाई नहीं आई थी। उन्होंने उपभोक्ताओं के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि वे प्रतिदिन स्वयं सिलेंडर का वितरण कराते हैं। इस बीच, बछरायूं की इंडेन गैस एजेंसी पर भी पिछले तीन दिनों से आपूर्ति न होने के कारण उपभोक्ता परेशान हैं, जिससे क्षेत्र में गैस संकट गहरा गया है।आपूर्ति अधिकारी अमित श्रीवास्तव ने बताया कि सिलेंडर की समस्या आपूर्ति बाधित होने के कारण हुई है। उन्होंने जल्द ही व्यवस्था सामान्य होने और सभी उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

पंचायत सचिवों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के बारे में नहीं है जानकारी, डीएम ने जताई नाराजगी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में आज जिला स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने की। बैठक में स्वच्छता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पंचायत सचिवों से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान यह सामने आया कि अधिकांश पंचायत सचिवों को इस योजना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी न होना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पंचायत सचिवों को योजनाओं की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि ग्रामीण स्तर पर युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

साथ ही उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द ही प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर पंचायत स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय वृद्धि का शासनादेश जारी

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य के लाखों शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को एक बड़ी सौगात दी है। आज हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि के प्रस्ताव पर आधिकारिक मुहर लगा दी है। इस निर्णय के तहत अब शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18,000 रुपये और अनुदेशकों का मानदेय 17,000 रुपये कर दिया गया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से प्रदेश भर के शिक्षा मित्रों जगत में हर्ष का माहौल है। कैबिनेट के फैसले की सूचना मिलते ही शिक्षामित्रों और अनुदेशकों में खुशी की लहर दौड़ गई। आज गंगेश्वरी क्षेत्र के संविलियन विद्यालय गंगाचोली में शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक एकत्रित हुए। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर अपनी खुशी का इजहार किया। काफी समय से लंबित इस मांग के पूरा होने पर शिक्षकों ने इसे अपनी बड़ी जीत बताया। प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने इस फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मानदेय में वृद्धि कर शिक्षाकर्मियों के सम्मान और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की है। इस अवसर पर पूर्व एआरपी विकास राहुल, डॉ. रमेश सिंह, शिशिर सिंह, पंकज कुमार, हुस्ने आलम, शिक्षामित्र जसवंत सिंह, विक्रम सिंह, राहुल शर्मा, राशिद अली, संतराम सिंह, गरिमा राणा, अंशुल सिंघल, सीमा सहित कई शिक्षक और शिक्षामित्र मौजूद रहे।

मंडी धनौरा क्षेत्र के अलग-अलग गांव में एक छात्रा व एक विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में एक छात्रा व एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। क्षेत्र में हुई इन दोनों आत्महत्याओं की घटना से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में एक कक्षा 12वीं की छात्रा थी जबकि दूसरी 22 वर्षीय विवाहिता शामिल है। पुलिस द्वारा दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अग्रिम कार्यवाही में जुटी है। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में हुई आत्महत्या की पहली घटना गांव आजमपुर की है, यहां सोमवार को कक्षा 12 में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपने घर के कमरे में कुंडे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, सीओ अंजलि कटारिया और थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हो गई है, जिसमें मृत्यु का कारण 'हैंगिंग' (फांसी लगाना) स्पष्ट हुआ है। हालांकि, छात्रा ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका अभी खुलासा नहीं हो पाया है।वहीं, दूसरी घटना गांव पहाड़पुर इनायत प्रथम से सामने आई है। यहां अशोक की 22 वर्षीय पत्नी अर्चिता ने घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर मौके पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया।विवाहिता की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया, "दोनों ही मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आजमपुर वाली घटना की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी की पुष्टि हुई है। पहाड़पुर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों से मिलने वाली तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला के चौहड़पुर माफी में करंट लगने से गाय की मौत

11000 वोल्ट्स की लाइन टूटने से दीवार में उतरा करंट अन्य पशु भी जमीन पर गिरे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव चौहड़पुर माफी में घर में बंधे पशुओं को अचानक 11000 वोल्ट्स का करंट लग गया। इस हादसे में एक गाय की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य पशु करंट लगने से जमीन पर गिर गए।

बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव निवासी पीड़ित सुरेंद्र सिंह पुत्र तुले सिंह ने बताया कि उसके घर के मकान के ऊपर से 11000 वोल्ट्स की विद्युत लाइन गुजर रही है। जिसका अचानक तार टूट कर उसकी दीवार पर गिर गया, जिससे दीवार में करंट उतर गया, उधर दीवार की बराबर में उसके पशु बंध रहे थे।

दीवार में करंट उतरने से वहां पर बंधे पशुओं को करंट लग गया जिससे पशु जमीन पर गिर गए। इस हादसे में एक गाय की मौत हो गई। हालांकि तार टूटने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पीढ़ीत सुरेंद्र सिंह का कहना है कि गाय की मौत से उसे हजारों रुपए का नुकसान हुआ है।

भाकियू (BRSS) के कार्यकताओं ने किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी संभल निधि पटेल को किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सोपा गया।

ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरकार किसान एवं आवाम के हित में सराहनीय कार्य कर रही है परंतु जनपद स्तर पर फैले प्रशासनिक भ्रष्टाचार के कारण आम जनमानस को योजनाओं का भरपूर लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिससे किसान व आवाम निराश है।

कुछ अधिकारियों के द्वारा आवास योजना, राशन कार्ड का मामला रहा हो, वृद्धा पेंशन से लेकर विधवा पेंशन तक पलीता लगाने का काम किया जा रहा है। साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी से लेकर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग भी की है। वही संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने क्षेत्रीय समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ग्राम चमरौआ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दवाइयां ना होने के कारण आम जनमानस को कठिनाईओ का सामना करना पड़ रहा है एवं ग्राम रहमापुर में नियुक्त सफाई कर्मी धरातल पर ना होकर सिर्फ कागजों में दर्ज है। ग्राम हिसामपुर का एक आम रास्ता काफी जर्जर है जिसमें जल भराव की स्थिति बनी है जिससे बीमारियों की आशंका बनी है। जिसे तत्काल निर्माण करा कर ठीक कराया जाए। ग्राम मेहराना में एक सीसी खड़ंजे का निर्माण कार्य अधूरा है जिसे तत्काल पूर्ण कराया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो उग्र आंदोलन की तैयारी की जाएगी ।

मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील उपाध्यक्ष राजपाल कश्यप, श्रीपाल यादव ब्लॉक महासचिव पवांसा, संतवीर सिंह, रोहित सिद्धू, करण सिंह, आसिफ अली, विवेक कुमार, अमानत अली एवं महिला मोर्चा से ननिहा देवी, किरण, राखी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

चोरी की योजना बनाते दो शातिर गिरफ्तार, हथियार व नकदी बरामद

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को थाना चन्दौसी पुलिस को सफलता हाथ लगी।

चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने चोरी की योजना बना रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सलीम पुत्र सफी मोहम्मद और अली पुत्र महबूब के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 1 पिलास, 1 हथौड़ा, 2 सब्बल, 1 पेचकस, 2 चाकू, 1 रिवाल्वर, 18,000 नकद तथा एक आधार कार्ड बरामद किया है।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना सम्भल में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि अभियुक्त पूर्व में थाना बनियाठेर एवं असमौली क्षेत्र में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

पुलिस द्वारा अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इलाइट जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम व पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के सराय तरीन स्थित इलाइट जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अब्दुल्लाह द्वारा तिलावत-ए-कलाम-ए-पाक से हुई, जबकि उम्मे माविया व ज़िया उर रहमान बरकाती ने नात-ए-पाक पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद संभल के चेयरमैन चौधरी मुशीर ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तालीम इंसान को तरक्की की बुलंदियों तक पहुंचाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आबिद हुसैन हैदरी ने की, जिन्होंने छात्रों को निरंतर प्रयासरत रहने और बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र सुहैल, शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार माहिरा, सर्वश्रेष्ठ मॉनिटर अलीना, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अजीम तथा सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर आयशा को चुना गया। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में भी छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में स्कूल टॉपर अरहम और सौफिया को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ी। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षकगण एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शफीक उर्रहमान बरकती ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाजपा नगर संभल की नई कार्यकारिणी घोषित, पदाधिकारियों में खुशी की लहर

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश पश्चिम क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा जिला प्रभारी हेमंत राजपूत, जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू एवं नगर अध्यक्ष कशिश कौशल एडवोकेट की संस्तुति पर मंगलवार को भाजपा नगर संभल की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी गई।

घोषित कार्यकारिणी में नगर उपाध्यक्ष के रूप में प्रतीक गुप्ता, निधि शर्मा, भीकम सिंह, विवेक तोमर, अरविंद प्रजापति एवं सतीश कुमार को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं नगर महामंत्री के पद पर सुनील राजपूत और कैलाश चंद्र गुप्ता को नियुक्त किया गया है। नगर मंत्री के रूप में दीपक शर्मा, राजवीर सिंह, पूनम पवार, अर्पित सक्सेना, संजीव राजपूत और सजन श्रीमाली को स्थान मिला है।

इसके अलावा प्रभात सर्राफ को नगर कोषाध्यक्ष, हर्षित शर्मा हनी को नगर मीडिया प्रभारी, प्रेम शंकर को सोशल मीडिया प्रभारी तथा मनी अरोड़ा को आईटी संयोजक बनाया गया है।

कार्यकारिणी की घोषणा के बाद भाजपा नगर संभल में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष कशिश कौशल एडवोकेट ने अपने निवास पर सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का पटका व फूलमाला पहनाकर स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। सभी पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

फिल्म अभिनेता उत्तर कुमार को उपहार देकर किया गया सम्मानित

गजरौला/ अमरोहा (सब का सपना):- नेशनल हाईवे 9किनारे स्थित रॉयल इनफील्ड शोरूम स्वामी आदित्य कुमार सिंह व साहिल सैफी ने उपहार देकर फिल्म अभिनेता उत्तर कुमार सहित उनकी पूरी टीम को सम्मानित किया।

इस अवसर पर सुपरस्टार हरियाणवी फिल्मों के अमिताभ बच्चन कहे जाने वाले उत्तर कुमार व अभिनेता मुकेश गोयल, राजीव सिरोही, मोनूधनकड़, संजय धूम, सौरभ गोस्वामी, आदि कलाकार मौजूद रहे।

बाजार से सामान लेने निकली महिला लापता, परिजनों ने एसपी से बरामदगी की लगाई गुहार

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र से एक महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर परिजनों में दहशत और चिंता का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर महिला की शीघ्र बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार बाग मोहल्ला बहजोई निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी पुत्रवधू 40 वर्षीय अब से लगभग 2 महीने पूर्व, 29 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे घरेलू सामान लेने बाजार के लिए निकली थी, लेकिन वह देर शाम तक वापस नहीं लौटी। जिसके बाद परिजनों ने आसपास, रिश्तेदारी और पड़ोस में काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

परिजनों का कहना है कि घटना की सूचना तभी थाना बहजोई पुलिस को दी गई, मगर अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आया है। आरोप है कि महिला के गायब होने के बाद रात में मोहल्ले के अजीम के मोबाइल पर एक नंबर से महिला का फोन आया था, जिसमें उसने घर पर बात कराने की बात कही लेकिन अगले दिन जब उसी नंबर पर कॉल की गई तो किसी शब्बीर नामक व्यक्ति ने फोन उठाकर महिला के बारे में जानकारी होने से इनकार कर दिया और धमकी भी दी।

जिसके बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे परिवार सहमा हुआ है। परिजनों को आशंका है कि उनकी पुत्रवधू के साथ कोई अनहोनी जैसी घटना हो सकती है।

पीड़ित परिवार का कहना है कि वे थाना स्तर से लेकर उच्चाधिकारियों तक शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक महिला का कोई पता नहीं चल पाया है।परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध कर मांग की है कि प्रकरण को देखते हुए तत्काल कार्यवाई की आवश्यकता है। गायब महिला को समय रहते सकुशल बरामद करने की जरूरत है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में घोषित हुआ परीक्षाफल, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के चंदौसी नगर से सटे ग्राम पथरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में मंगलवार को कक्षा नर्सरी से कक्षा आठ तक का वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल संचालक महानंदन गौतम ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने विद्यार्थियों की मेहनत और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम का परिणाम होती है, इसलिए सभी छात्र-छात्राएं आगे भी इसी लगन से पढ़ाई करते रहें।

इस मौके पर कक्षा नर्सरी से कक्षा आठ तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे और उनका उत्साह भी बढ़ा।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक प्रवीन कुमार द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज कुमार शर्मा, सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, रमन शर्मा, आरती सिंह, आभा रानी, रिनी अग्रवाल, शिवगणेश शर्मा, सीमा अग्रवाल, अश्वनी शर्मा, रंजीत कुमार, सुशीला, क्षमता, शालू, रेशमा, रंजीत कौर, अनामिका यादव, योगेश, दुर्गेश, नंदिनी, खुशबू, वंशिका सक्सेना, काजल, गीता सहित समस्त स्टाफ एवं अभिभावकों का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट वितरित कर हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया अवगत

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं,बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को जनपद की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0(द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान, भगत सिंह यूनियन ने उठाई मुआवजे की मांग

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भगत सिंह यूनियन के तहसील उपाध्यक्ष मोनू शर्मा, ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौपा है। जिसमे कहा गया है कि ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बर्बाद हुई है। बर्बाद फसलों का जल्द सर्वे करा कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। क्षेत्र में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है किसानों की इस बदहाली और आर्थिक संकट को देखते हुए भगत सिंह यूनियन ने मोर्चा खोल दिया है। भगतसिंह यूनियन के तहसील उपाध्यक्ष मोनू शर्मा, के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा और प्रभावित किसानों के लिए राहत की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान मोनू शर्मा ने कहा कि अचानक हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह से बिछ गई है। फसलों के इस भारी नुकसान ने किसानों को गहरे आर्थिक संकट में डाल दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसान पहले से ही कई समस्याओं से जूझ रहा है ऐसे में इस प्राकृतिक आपदा ने उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा कर दिया है। यूनियन ने अपने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन के समक्ष मुख्य रूप से प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराया जाए नुकसान का सही आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा जल्द से जल्द प्रदान किया जाए, प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए ताकि कोई भी पात्र किसान छूट ना जाए। मीडिया से बात करते हुए मोनू शर्मा ने स्पष्ट किया कि भगत सिंह यूनियन हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी है हम किसानों के हक के लिए लगातार आवाज उठाते रहेंगे अगर प्रशासन ने जल्द ही सर्वे और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो यूनियन आगे की रणनीति तय करेगी।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक का किया गया आयोजन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समिति के सभापति अश्विनी त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में गन्ना, शिक्षा, विद्युत, लोक निर्माण, नगर विकास, परिवहन, समाज कल्याण और आबकारी सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। विद्युत विभाग को जर्जर लाइनों को ठीक कराने, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर कनेक्शन शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग के स्कूल चलो अभियान के तहत नामांकन बढ़ाने और पात्र बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए गए। वहीं परिवहन विभाग को सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार करने को कहा गया। सभापति अश्विनी त्यागी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समय से पहुंचे। इस दौरान जिलाधिकारी श्रुति ने आश्वासन दिया कि समिति के सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में विधान परिषद सदस्य पवन कुमार सिंह, धर्मेन्द्र भारद्वाज, जिलाधिकारी श्रुति, एसएसपी दिनेश कुमार सिंह सहित जनपद के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

सैकड़ों मरीजों ने उठाया मुफ्त चिकित्सा सेवा का लाभ

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए अस्पताल ने किया विशेष आयोजन

बिजनौर (सब का सपना):- स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बैराज रोड स्थित पुलकित मेमोरियल हॉस्पिटल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल की ओर से ओपीडी से लेकर दवाइयों तक निशुल्क सेवा प्रदान की गई, जिससे बड़ी संख्या में मरीजों ने लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ देखने को मिली। लोगों में स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क मिलने को लेकर खासा उत्साह नजर आया। मरीजों का कहना था कि इस प्रकार के आयोजनों से उन्हें बेहतर उपचार के साथ आर्थिक राहत भी मिलती है।

अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉक्टर हरीश मित्तल ने बताया कि उनकी टीम पिछले कई वर्षों से जिले की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में दो दिन विशेष शिविर लगाकर मरीजों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा दी जाती है, जबकि अन्य दिनों में भी जांच और दवाइयों पर रियायत दी जाती है। हर सप्ताह सैकड़ों मरीज इन सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन से जुड़ी डॉक्टर प्रीति ने भी मरीजों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया और नियमित जांच कराने की सलाह दी। वहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर साक्षी चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और पर्यावरणीय कारणों से कई नई स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ रही हैं, ऐसे में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ ने मिलकर मरीजों को परामर्श दिया और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी साझा की। आयोजन के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी पूंजी है।

फसलों की सिंचाई में जहर घोल रहा प्लास्टिक का अंबार

स्वच्छता के दावों की खुली पोलः नांगल क्षेत्र में कूड़ेदान गायब, नहर बनी ह्यसरकारी डस्टबिन

नांगल सोती/बिजनौर।(सब का सपना):- एक ओर सरकार 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'स्वच्छ ग्राम-स्वस्थ ग्राम' जैसे नारों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है, वहीं जनपद बिजनौर के नांगल सोती, जीतपुर और खानपुर गांवों में जमीनी हकीकत इसके उलट है। यहाँ कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, जिसके चलते ग्रामीणों ने मजबूरी में सरकारी नहर को ही कूड़ाघर बना दिया है। प्रशासन की अनदेखी और ग्राम पंचायतों की निष्क्रियता के कारण यह नहर अब जलमार्ग नहीं, बल्कि गंदगी का डंपिंग यार्ड बन चुकी है।इन गांवों के निवासियों की सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि घरों से निकलने वाले कचरे के निस्तारण के लिए न तो कोई सार्वजनिक स्थान चिह्नित किया गया है और न ही कूड़ा उठाने की कोई नियमित व्यवस्था है। ऐसे में लोग अपने घरों का कचरा सीधे नहर में प्रवाहित कर रहे हैं। परिणाम यह है कि नहर में प्लास्टिक की थैलियों, घरेलू कचरे और गंदगी का अंबार लग गया है, जो पर्यावरण के लिए एक टाइम बम की तरह है। यह स्थिति मात्र गंदगी तक सीमित नहीं है। इसी नहर के पानी का उपयोग किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए करते हैं। प्लास्टिक और रसायनों से युक्त यह प्रदूषित पानी खेतों में पहुँच रहा है, जिससे फसलों की गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। सिंचाई के साथ खेतों में पहुँचता प्लास्टिक भविष्य में कृषि भूमि को बंजर बना सकता है। नहर के किनारे स्थित दो सरकारी शराब के ठेकों ने इस समस्या को और अधिक विकराल बना दिया है। यहाँ शराब पीने के बाद लोग प्लास्टिक के गिलास, खाली टेट्रा पैक और कांच की बोतलें बेधड़क नहर में फेंक देते हैं। आसपास कहीं भी कूड़ेदान नजर नहीं आता, जिससे पूरा किनारा शराब की खाली बोतलों और कचरे से पटा रहता है। इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल विभागीय जवाबदेही पर उठता है क्या ग्राम पंचायतों को कूड़ा प्रबंधन के लिए मिलने वाला बजट केवल कागजों तक सीमित है? क्या स्थानीय प्रशासन और सिंचाई विभाग को नहर की यह बदहाल स्थिति दिखाई नहीं देती? आखिर कब तक सब ठीक है मोड में रहकर जिम्मेदार अपनी आंखें मूंदें रहेंगे?इस समस्या के लिए जहाँ सिस्टम दोषी है, वहीं आम जनता की लापरवाही को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बिना सोचे-समझे जल स्रोतों में कचरा फेंकना हमारी नागरिक चेतना की कमी को दशार्ता है। व्यवस्था की कमी अपनी जगह है, लेकिन जल को प्रदूषित करना भविष्य की पीढ़ियों के साथ खिलवाड़ है। अगर समय रहते प्रशासन ने कूड़ा निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं की और नहर की सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो यह लापरवाही क्षेत्र के पर्यावरण और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा संकट बन जाएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन इस रिपोर्ट के बाद जागता है या 'कागजी स्वच्छता' का खेल यूँ ही चलता रहेगा।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को मिला नया सहारा, वैक्सीन की शुरूआत

बिजनौर (सब का सपना):- स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सीएचसी स्योहारा में किशोरियों के लिए सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीन लगाने का अभियान शुरू कर दिया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. मनोज वर्मा ने फीता काटकर इस अभियान का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान पांच किशोरियों को एएनएम माधुरी, दुशाला शर्मा और सरिता चौहान द्वारा वैक्सीन लगाई गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही की देखरेख में शुरू हुए इस अभियान की शुरूआत कोल्ड चेन प्वाइंट पर की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह टीका 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को लगाया जाएगा। डॉ. मनोज वर्मा ने बताया कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव में बेहद प्रभावी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले यह वैक्सीन निजी क्षेत्र में महंगी होती थी, लेकिन अब सरकारी स्तर पर इसे निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएचसी अधीक्षक ने जानकारी दी कि ब्लॉक स्तर पर यह अभियान शुरू किया गया है, जो अगले तीन महीनों तक चलेगा। इसके बाद इसे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। टीकाकरण सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा और लाभार्थियों को टीकाकरण के बाद कुछ समय निगरानी में रखा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, टीकाकरण के लिए ऑनलाइन और ऑन-साइट दोनों तरह की पंजीकरण सुविधा उपलब्ध है। वैक्सीन लगने के बाद प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नजीबाबाद नुमाइश में बड़ा हादसा, झूले से गिरकर युवक लहूलुहान, हालत नाजुक

एम्स ऋषिकेश रेफर, लंदन सिटी प्रदर्शनी में सुरक्षा मानकों की खुली पोल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद के रायपुर रोड पर संचालित 'लंदन सिटी' नुमाइश (प्रदर्शनी) में सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ ऊँचे झूले पर आनंद ले रहा एक युवक अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर एम्स (अक्टर) ऋषिकेश रेफर किया गया है। इस घटना ने नुमाइश में लगे झूलों की सुरक्षा और प्रशासनिक दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलालाबाद निवासी अजीम पुत्र अनीस सोमवार रात अपने परिवार के साथ रायपुर रोड स्थित प्रदर्शनी में घूमने गया था। नुमाइश में मनोरंजन के दौरान अजीम एक बड़े झूले पर सवार हुआ। बताया जा रहा है कि झूला जब पूरी रफ़्तार में था, तभी अचानक अजीम उससे नीचे आ गिरा। जमीन पर गिरते ही वह लहूलुहान हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के तुरंत बाद आनन-फानन में घायल युवक को स्थानीय निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में लगी गंभीर चोटों को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से हायर सेंटर एम्स ऋषिकेश के लिए भेज दिया। अजीम पेशे से रिक्शा चालक है और उसके पिता फलों की दुकान चलाते हैं। एक गरीब परिवार के चिराग के साथ हुए इस हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल

हादसे के बाद नुमाइश में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि 'लंदन सिटी' नुमाइश के संचालकों ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी की है। झूलों में बेल्ट और सुरक्षा जाली जैसे पुख्ता इंतजाम न होने के कारण ऐसे हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने सवाल उठाया है कि क्या प्रशासन ने नुमाइश शुरू होने से पहले झूलों की फिटनेस और सुरक्षा प्रमाणपत्र की जांच की थी?

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। जागरूक नागरिकों ने जिलाधिकारी बिजनौर से मांग की है कि जनपद में चल रही सभी नुमाइशों और झूलों की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य निर्दोष के साथ ऐसा हादसा न हो। 'लंदन सिटी' नुमाइश के प्रबंधन की लापरवाही पर भी सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

बिजनौर में पीएनजी गैस आपूर्ति की सुस्त रफ्तार पर डीएम का पारा चढ़ा

खाड़ी युद्ध के चलते रसोई गैस संकट की आहट, जिलाधिकारी जसजीत कौर ने एजेंसी को दी सख्त चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में घरेलू उपभोक्ताओं को पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस (PNG) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लक्ष्य की पूर्ति न होने पर डीएम ने सख्त रुख अपनाया। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कार्य की अत्यंत धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यदायी एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में किसी भी प्रकार की शिथिलता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जनपद में निर्धारित 9000 परिवारों को पीएनजी कनेक्शन देने के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक मात्र 1500 घरों को ही पाइपलाइन गैस आपूर्ति से आच्छादित किया जा सका है। जिलाधिकारी ने इस लचर प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कड़े निर्देश दिए कि शेष परिवारों को जल्द से जल्द कनेक्शन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति में देरी उपभोक्ताओं के हितों के साथ खिलवाड़ है। जिलाधिकारी ने बैठक में वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में खाड़ी युद्ध (Gulf War) के दृष्टिगत घरेलू रसोई गैस (LPG) की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। यदि एजेंसी ने निर्धारित समय सीमा के भीतर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध करा दिए होते, तो आज उपभोक्ताओं को संभावित संकट से बड़ी राहत प्राप्त होती। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के यहाँ कनेक्शन लग चुके हैं, वहां गैस की निर्बाध सप्लाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए। बैठक में पीएनजी प्रबंधक द्वारा जिले के मुख्यालय पर गैस डिपो के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी (SDM) सदर को आवश्यक भूमि चिह्नित कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

बैठक की अध्यक्षता कर रहीं जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी (CDO) रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुणाल रस्तोगी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और पीएनजी प्रोजेक्ट के प्रतिनिधि मौजूद रहे। पाइपलाइन गैस न केवल सुरक्षित है बल्कि एलपीजी की तुलना में किफायती भी है। प्रशासन की इस सख्ती के बाद अब उम्मीद है कि शहर के बाकी हिस्सों में भी खुदाई और कनेक्शन के काम में तेजी आएगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जेबीएफ के मेडिकल सेंटर में लगा कैंप

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) के मेडिकल सेंटर पर मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यहां ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया।

बता दें कि मंगलवार को हाईवे किनारे श्री राम धर्म कांटे के निकट स्थित जेबीएफ के मेडिकल सेंटर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में नगर के साथ ही आसपास के कई गांवों के ग्रामीण मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण कराने पहुंचे।

यहां लगे कैम्प में अत्याधुनिक मशीनों से ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। जेबीएफ में चिकित्सक डा.नितिन राय ने बताया कि कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया था। वहीं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट स्वास्थ्य के साथ ही शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, खेल, शिक्षा, स्वरोजगार आदि के क्षेत्र में भी सक्रिय रहती है।

बिजनौर में गेहूं के 50 क्रय केंद्रों को मिली मंजूरी, MSP में 160 रुपये की बढ़ोतरी

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट में की समीक्षा, 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी खरीद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) योजना के तहत गेहूं खरीद की तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक के दौरान जानकारी दी कि शासन द्वारा जनपद में खाद्य विभाग, पीसीएफ और भारतीय खाद्य निगम (FCI) के कुल 50 गेहूं क्रय केंद्रों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष शासन ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए गेहूं के समर्थन मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। अब किसानों से गेहूं 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से क्रय किया जाएगा। इस वृद्धि से जनपद के हजारों किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी कौर ने सभी गेहूं क्रय संस्थाओं के जिला प्रबंधकों और केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अनुमोदित केंद्रों पर तत्काल समस्त भौतिक व्यवस्थाएं पूर्ण कर उन्हें क्रियाशील बनाया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर आने वाले किसान बंधुओं के बैठने के लिए समुचित स्थान, स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए।

डीएम ने निर्देश दिए कि किसानों का पंजीकरण और सत्यापन शासन की गाइडलाइन के अनुसार समयबद्ध तरीके से किया जाए। बांट-माप अधिकारी सभी केंद्रों पर कांटों और बाटों का निर्धारित मानकों के अनुरूप भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। सभी केंद्रों पर खरीद से संबंधित अभिलेख और उपकरण अद्यतन ((Updated) रखे जाएं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 12 बजे आयोजित इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित विभिन्न गेहूं खरीद एजेंसियों के प्रबंधक और केंद्र प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से लक्ष्य प्राप्ति और पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं

मंडी धनौरा में खाद की किल्लत को लेकर किसानों का प्रदर्शन, लगाया जाम

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में खाद की किल्लत से आक्रोशित किसानों ने मंगलवार को महादेव चुंगी पर स्टेट हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि रबी सत्र की मुख्य फसलों, विशेषकर गन्ने की बुवाई और देखभाल के लिए खाद की भारी कमी है, जिससे उनकी खेती पिछड़ रही है। बता दें कि मंगलवार को प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि वे सुबह से ही सहकारी गन्ना विकास समिति के गोदाम पर खाद के इंतजार में लाइन में लगे थे। घंटों इंतजार के बाद जब उन्हें खाली हाथ लौटने को कहा गया, तो उनका धैर्य जवाब दे गया। इसके बाद किसान नारेबाजी करते हुए महादेव चुंगी पहुंचे और सड़क पर बैठकर आवागमन ठप कर दिया। इससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को परेशानी हुई।खाद गोदाम प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि सोमवार को किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार खाद वितरित की गई थी। हालांकि, जिला कृषि अधिकारी ने इस पर आपत्ति जताते हुए जांच के बाद खाद वितरण के आदेश दिए थे। नए निर्देशों के अनुसार, अब एक हेक्टेयर भूमि पर 7 कट्टे यूरिया और 5 कट्टे एनपीके या डीएपी देने का नियम तय किया गया है। जांच प्रक्रिया के कारण वितरण में देरी हुई, जिससे किसान नाराज हो गए।हाईवे जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाने का प्रयास किया और प्रशासनिक अधिकारियों से उनकी वार्ता कराई। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने जल्द खाद उपलब्ध कराने का ठोस आश्वासन दिया, जिसके बाद किसान शांत हुए और जाम खोला गया।

भाकियू (असली) के प्रवक्ता नरेश कुमार सहित किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते खाद की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।इस दौरान धीरज सिंह, कमल सिंह, अरविंद कुमार, जसपाल सिंह, यशपाल सिंह, अरुण कुमार, खचेडू सिंह, बलवंत सिंह, वीरवती, त्रिपता, आशा, नासिर और दाताराम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चोगानपुर में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम आयोजित

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड दानपुर के ग्राम पंचायत चौगानपुर में ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा आयोजित ह्लजल अर्पण दिवसह्व कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिबाई विधायक सीपी सिंह रहे। सहभागिता की गई। इस अवसर पूर्व मंडल अध्यक्ष दानपुर पिंटू लोधी डिबाई ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मुकेश चौधरी,मंडल महामंत्री कपिल राघव,ग्राम प्रधान शकुंतला देवी, प्रमोद कुमार,राकेश पांडेय,रूपेन्द्र कुमार लोधी के अलावा अधिकारीगण व भाजपा पदाधिकारी और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला कार्यालय पर अपना दल (एस) की मासिक बैठक संपन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अपना दल (एस) की मासिक संगठनात्मक समीक्षा बैठक सिटी सेंटर जिला पंचायत मॉल स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी की अध्यक्षता एवं जिला महासचिव खालिक अंसारी के संचालन में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने कहा कि पार्टी की असली ताकत

कार्यकर्ता हैं और हर बूथ तक संगठन को मजबूत बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं से आम जनता की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों और रैलियों की रूपरेखा भी तय की गई तथा पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अंत में सभी कार्यकताओं ने एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान नीरज शर्मा, प्रेम बैरागी, पुरुषोत्तम सैन, भगवत जाटव, आशुतोष मीणा, हाजी सबील अंसारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय बैठक में तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय बैठक में तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। मिली जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय सचिव पीताम्बर शर्मा (बुलन्दशहर निवासी) द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय साधारण सभा की तीन दिवसीय बैठक 3, 4 और 5 अप्रैल 2026 को उत्तराखंड के शांतिकुंज, हरिद्वार में आयोजित हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में देश के 36 प्रांतों से आए 276 प्रमुख कार्यकताओं ने भाग लिया और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन मंथन किया। बैठक के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में गायत्री परिवार

शांतिकुंज के प्रमुख व्यवस्थापक योगेंद्र गिरी ने कहा कि जहां ग्राहक पंचायत आर्थिक क्षेत्र में समाज के हितों की रक्षा का कार्य कर रही है, वहीं गायत्री परिवार वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक जागरण का कार्य कर रहा है। उन्होंने ग्राहक पंचायत के कार्यकताओं द्वारा निस्वार्थ सेवा भाव से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रीय साधारण सभा के दौरान वर्तमान सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संगठन द्वारा तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। इनमें बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया पर उनके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कड़ा कानून बनाने की मांग की गई। इसके अलावा शोषण मुक्त, गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। तीसरे प्रस्ताव में ऊर्जा संकट की स्थिति में ग्राहकों द्वारा सरकार के साथ सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

बैठक में संगठन को मजबूत करने, उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण तथा जनजागरूकता बढ़ाने के विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायणभाई शाह तथा राष्ट्रीय सचिव जयंत कथीरिया ने सभी कार्यकताओं से संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मासूम का क्या कसूर...गुरुग्राम में ढ़ाई साल की बच्ची की हत्या, मां पर लग रहे आरोप

गुरुग्राम : गुरुग्राम से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है जहां सूर्या विहार कॉलोनी में मां ने ढाई साल की बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद का गला काट लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची औड़ जांच में जुट गई। बच्ची के पिता ने पुलिस को बताया कि गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में काम करते हैं। वह फिलहाल सूर्य विहार की कोठी में किराए पर रहते हैं।पूछताछ में पिता ने बताया कि सोमवार सुबह जब ड्यूटी पर निकले तो पत्नी व बेटी ठीक थीं। शाम करीब 6 बजे जब वे ऑफिस से घर लौटा, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद मकान मालिक को बुलाया गया, फिर दरवाजा तोड़ा तो उनकी ढाई साल की बेटी अनिका और पत्नी नेहा बेहोश हालत में पड़ी हुई थी। बच्ची के शरीर पर चोट के निशान थे, जबकि नेहा के गले पर धारदार हथियार से कट लगा हुआ था। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और दोनों को आर्टिमेस अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान ढाई साल की अनिका को मृत घोषित कर दिया। नेहा शर्मा की हालत अभी भी गंभीर है और उनका इलाज चल रहा है। पूछताछ में पति ने आशंका जताई है कि पत्नी नेहा ने बच्ची को मारा है, उसके बाद खुद का गला काटकर जान देने की कोशिश की। हालांकि पति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि नेहा ने ऐसा क्यों किया। किस बात को लेकर विवाद था, यह भी सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

हरियाणा के इस जिले में स्थापित होगा किन्नू जूस संयंत्र, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने प्रदेश में फल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किन्नू उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया है। इसके लिए, सिरसा स्थित वीटा मिल्क प्लांट परिसर में लगभग 26.39 करोड़ रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रसंस्करण संयंत्र लगाया जा रहा है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सोमवार को बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना की समीक्षा की। यह परियोजना 33 वर्ष की रियायत अवधि के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिससे सभी हितधारकों को लाभ होगा। हरियाणा डेयरी द्वारा संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग तीन एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि निजी भागीदार संयंत्र एवं मशीनरी, आवश्यक सिविल ढांचा स्थापित करेगा तथा संयंत्र का संचालन करेगा। हरियाणा डेयरी डिवैल्वमैंट को-ऑप्रेटिव फैडरेशन के प्रबंध निदेशक रोहित यादव ने बताया कि हरियाणा में प्रतिवर्ष लगभग 4.40 लाख मीट्रिक टन किन्नू का उत्पादन होता है, जिसमें अकेले सिरसा जिले का योगदान 55 प्रतिशत है।

युवक को थार से कुचलने का मामला ; हत्यारोपी की मदद करने वाला एजेंट गिरफ्तार, 8 मामले में है दोषी

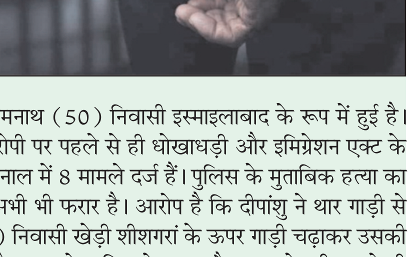

कुरुक्षेत्र : जिले के इस्माइलाबाद क्षेत्र में अमेरिका से लौटे युवक की थार गाड़ी से कुचलकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी की मदद करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोमनाथ (50) निवासी इस्माइलाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले से ही धोखाधड़ी और इमिग्रेशन एक्ट के तहत अंबाला और करनाल में 8 मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक हत्या का मुख्य आरोपी दीपांशु अभी भी फरार है। आरोप है कि दीपांशु ने थार गाड़ी से तीन बार साहिल (30) निवासी खेड़ी शीशगरां के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी थी। इस दौरान उसने साहिल के साथ मौजूद उसके जीजा को भी टक्कर मारी थी। गुरु गोबिंद सिंह कॉलोनी निवासी शैमिन पंजरथ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका साला साहिल कुमार 29 मार्च की रात एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने आया था। उसी कार्यक्रम में कॉलोनी का रहने वाला दीपांशु भी मौजूद था। शादी के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर साहिल और दीपांशु के बीच कहासुनी हो गई थी। हालांकि उस समय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवा दिया था। हाईवे पर जीजा-साले को मारी टक्कर शिकायत के अनुसार कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रात करीब 12:40 बजे वह अपने साले साहिल कुमार, दोस्त सिमरदीप सिंह, रमन नागपाल और विपुल बजाज के साथ हाईवे पर चम्मू चौक के पास खड़ा था। इसी दौरान सामने से आई काले रंग की थार (HR 31 W 2645) ने साहिल और उसे टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद दीपांशु ने गाड़ी थोड़ी दूरी पर रोककर शीशा नीचे किया। जब उससे पूछा गया कि क्या वह किसी को मारना चाहता है, तो उसने कहा कि अच्छा बच गया और फिर गाड़ी को पीछे लेकर दोबारा साहिल के ऊपर से तीन बार चढ़ा दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल साहिल को अंबाला के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि साहिल करीब डेढ़ महीने पहले ही अमेरिका से अपने घर लौटा था और वह वहां एक स्टोर पर काम करता था। आरोपी को छिपाने में मदद कर रहा था सोमनाथ इस्माइलाबाद थाना प्रभारी जगदीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने जांच के दौरान सोमनाथ को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि उसने मुख्य आरोपी दीपांशु को छिपने में मदद की थी और उसे आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई थी। पुलिस के अनुसार सोमनाथ के खिलाफ पहले से ही धोखाधड़ी और इमिग्रेशन एक्ट के तहत अंबाला और करनाल में 8 मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस फरार मुख्य आरोपी दीपांशु की तलाश में छापेमारी कर रही है।

हरियाणा-पंजाब विवाद के बीच एसवाईएल नहर पर बड़ा फैसला, सरकार ने दी मंजूरी

कुरुक्षेत्र : हरियाणा और पंजाब के विवाद के बीच लंबे समय से उपेक्षित एसवाईएल नहर अब अपने मूल स्वरूप में लौटने जा रही है। करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से नहर का जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे यह दक्षिणी हरियाणा और दिल्ली की प्यास बुझाने में कारगर साबित होगी। सिंचाई विभाग ने बताया कि नहर के कायाकल्प का काम तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण के लिए 15 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। प्रदेश सरकार ने परियोजना को मंजूरी दे दी है और अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसवाईएल नहर के जीर्णोद्धार के बाद जरूरत पड़ने पर नरवाना ब्रांच नहर और मारकंडा नदी के पानी को भी छोड़ा जा सकेगा। इससे न केवल मारकंडा नदी से आने वाली बाढ़ का खतरा टलेगा, बल्कि नहर का सही उपयोग भी सुनिश्चित होगा। नहर की लंबाई और परियोजना की तैयारी कुरुक्षेत्र जिले में एसवाईएल नहर की लंबाई लगभग 35 किलोमीटर है। जनवरी महीने में सिंचाई विभाग ने परियोजना को प्रदेश सरकार की मंजूरी के लिए भेजा था, जिसे तकनीकी टीम ने पास कर दिया। सुप्रीम कोर्ट तक विवाद पहुंचने के बावजूद पंजाब से अभी तक नहर में पानी नहीं मिल पाया है।सरकार से मिली मंजूरी, जल्द होगा कार्य शुरू एसवाईएल नहर परियोजना के बारे में एक्सईएन सिंचाई विभाग मुनीष बब्बर ने बताया कि सरकार से मंजूरी मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही परियोजना पूरी कर कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

पानी की उपलब्धता का लक्ष्य

सिंचाई विभाग ने नहर के जीर्णोद्धार के बाद 10 हजार क्यूसेक पानी दक्षिणी हरियाणा तक पहुँचाने का

लक्ष्य रखा है। इसमें एसवाईएल नहर के माध्यम से 6,500 क्यूसेक और नरवाना ब्रांच के माध्यम से 3,500 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहली बार है जब नहरों का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

गन्नौर में फोन चार्जिंग विवाद खूनी संघर्ष में बदला, युवक की बेरहमी से हत्या, इलाके में हड़कंप

गन्नौर : गन्नौर के पांची जाटान गांव से एक ऐसा मामला निकल कर सामने आया है, जहा पड़ोसी ने फोन चार्जिंग की नाराजगी को लेकर पड़ोसी की हत्या कर दी। जाटान गांव में पड़ोसी ने पड़ोसी के फोन चार्जिंग को लेकर अपने साथियों के साथ मिलकर पीट पीटकर हत्या कर दी। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव पाची जाटान में मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घायल युवक ने उपचार के दौरान सोमवार को दम तोड़ दिया। पिता ने थाना गन्नौर में शिकायत दी, जिस पर

पुलिस ने 3 आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पांची जाटान निवासी जयपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 32 वर्षीय बेटा कमलजीत 24 मार्च की शाम को गांव के ही रामदास के घर अपना मोबाइल फोन लेने गया था, जिसे उसने वहां चार्जिंग पर लगाया हुआ था। आरोप है कि उन्होंने कमलजीत को फोन देने से मना कर दिया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई और विवाद बढ़ गया। जयपाल के अनुसार, इसी दौरान रामदास उसके भाई भगवान दास और सोनू ने मिलकर कमलजीत पर कस्सी के बिट्टों और लाठियों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जब काफी देर तक कमलजीत घर नहीं लौटा तो वह उसे तलाशते हुए मौके पर पहुंचा, जहां तीनों आरोपित उसके बेटे को पीट रहे थे। उसे देखते ही आरोपित मौके से फरार हो गए। इसके बाद जयपाल ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गन्नौर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीपीएस खानपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान सोमवार को कमलजीत ने दम तोड़ दिया।पुलिस ने जयपाल के बयान पर आरोपित रामदास, भगवान दास और सोनू के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गन्नौर एसीपी ऋषिकांत का कहना है कि पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिता को अस्पताल में भर्ती करवा एम्बुलेंस में घर लौट रहा था बेटा...तभी हुआ बड़ा हादसा, उजड़ गई 2 परिवारों की खुशियां

अंबाला : अंबाला-नारायणगढ़ हाईवे पर चीख-पुकार और मलबे में तब्दील ये गाड़ियाँ गवाही दे रही हैं कि टक्कर कितनी जोरदार थी। जानकारी के मुताबिक शहजादपुर का रहने वाला लक्ष्य अपने बीमार पिता को अंबाला के अस्पताल में भर्ती कराकर एम्बुलेंस से वापस लौट रहा था। उसे क्या पता था कि जिस एम्बुलेंस को लोग जीवन बचाने वाली गाड़ी कहते हैं, वही उसकी आखिरी सवारी बन जाएगी। बता दें कि एम्बुलेंस जैसी ही धनाना गांव के पास पहुंची तो सामने से आ रही स्वामी देवीदयाल संस्थान की तेज रफ्तार बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। चश्मदीदों की मानें तो धमाका इतना तेज था कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में एम्बुलेंस चालक बलविंदर और लक्ष्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाकर यातायात सुचारू करवाया।

एमडब्ल्यूबी संस्था पत्रकारों और उनसे जुड़े लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे खड़ी रहती है : प्रवीण अत्रेय

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सेक्रेटरी प्रवीण अत्रेय ने मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) की ओर से हरियाणा सचिवालय के प्रेस रूम में कार्यरत शक्ति चंद शर्मा को आर्थिक सहायता के रूप में 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की। शक्ति चंद शर्मा कुछ माह पूर्व एक दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिसमें उनके पैरों में फ्रैक्चर हो गया था। इस कारण उन्हें लंबे समय तक उपचार और प्लास्टर से गुजरना पड़ा। इस अवसर पर प्रवीण अत्रेय के साथ मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) के अध्यक्ष चंद्र शेखर धरणी भी उपस्थित रहे। प्रवीण अत्रेय ने इस मौके पर मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पत्रकारों और उनसे जुड़े लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे खड़ी रहती है। उन्होंने कहा कि एमडब्ल्यूबी ने सदैव निस्वार्थ भावना से सेवा का कार्य किया है और जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई है। वहीं, मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्र शेखर धरणी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में संस्था ने कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त तथा अस्पतालों में भर्ती पत्रकारों और उनके परिवारों की अनेक अवसरों पर आर्थिक सहायता की है।

उन्होंने बताया कि संस्था के साथ पहले दिन से जुड़े सदस्यों के लिए इस वर्ष से निशुल्क सपरिवार कैशलेस मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी की सुविधा शुरू की गई है। इसके अलावा संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से सदस्यों के लिए 10-10 लाख रुपये का निशुल्क एक्सीडेंटल इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस भी करवाया जा रहा है। धरणी ने कहा कि पत्रकारों का कार्यक्षेत्र चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा होता है, ऐसे में

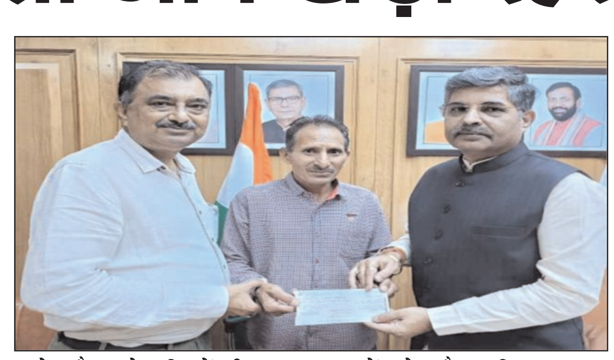

उनके और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए इस प्रकार की योजनाएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पत्रकारों की पेशेवर मजबूती ही नहीं, बल्कि उनके सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा तंत्र को भी सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि मीडिया वेल बिंग एसोसिएशन आगे भी पत्रकारों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और आपात सहयोग के क्षेत्र में अपने प्रयासों को और अधिक मजबूत करती रहेगी। संस्था सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना के साथ निरंतर कार्य करती रहेगी। धरनी ने बताया कि मीडिया वेल बीइंग एसोसिएशन (एमडब्ल्यूबी) आज पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए समर्पित एक सशक्त और विश्वसनीय संस्था के रूप में जानी जाती है। यह संस्था पत्रकारों को संगठित कर उन्हें ऐसा मंच प्रदान कर रही है, जहाँ वे निर्भय होकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें और आवश्यकता पड़ने पर संगठनात्मक समर्थन प्राप्त कर सकें।एमडब्ल्यूबी का उद्देश्य पत्रकारों की सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कम समय में संस्था ने जो कार्य किए हैं, वे इसे देश की अग्रणी पत्रकार कल्याण संस्थाओं में स्थापित करते हैं। निःशुल्क बीमा सुविधा

एमडब्ल्यूबी देश की पहली ऐसी संस्था है, जो पत्रकारों को मृत्यु, दुर्घटना बीमा और टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी निःशुल्क उपलब्ध करवा रही है। अधिकांश संस्थाएं बीमा पॉलिसी के नाम पर पत्रकारों से शुल्क लेती हैं, लेकिन एमडब्ल्यूबी किसी भी पत्रकार से बीमा के एवज में एक रुपया भी शुल्क नहीं लेती। हाल ही में एक वरिष्ठ पत्रकार के निधन के कुछ दिनों बाद, संस्था द्वारा करवाई गई बीमा पॉलिसी के माध्यम से उनके परिवार को 10 लाख रुपये की राशि बीमा कंपनी द्वारा दिलवाई गई।

वरिष्ठ पत्रकारों के सम्मान की अनूठी परंपरा

एमडब्ल्यूबी ऐसी पहली संस्था है, जिसने समाज को अपना लंबा जीवनकाल देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों के योगदान और बलिदान को समझा। संस्था ने एक नई परंपरा शुरू की, जिसमें हर कार्यक्रम में 60 वर्ष से अधिक आयु के तीन वरिष्ठ पत्रकारों को मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित किया जाता है। अब तक यह सम्मान पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, पूर्व मंत्री कंवर पाल गुज्जर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, एवं विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण के हाथों विभिन्न कार्यक्रमों में प्रदान किया गया। सम्मान के साथ संस्था की ओर से नगद राशि भी दी जाती है।

एडवोकेट वासु रंजन कांग्रेस में शामिल, राजा वड़िंग की मौजूदगी में ली पार्टी की सदस्यता, पार्टी को मिला मजबूत कानूनी चेहरा

चंडीगढ़ : सुप्रीम कोर्ट एवं पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट और काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन एडवोकेट वासु रंजन ने आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दामन थामा। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की मौजूदगी में उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनका पटका पहनाकर स्वागत किया गया व राजा वडिंग ने कांग्रेस में आस्था जताने पर उनका आभार जताया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद एडवोकेट एडवोकेट वासु रंजन ने कहा कि वह पूरे पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेंगे और घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे और वर्ष 2027 में पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे और जल्द कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने का शंखनाद करेंगे । उन्होंने यह भी

कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों, पार्टी के कार्यों तथा देश की एकता और अखंडता के लिए कुबार्नी देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की सोच को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और राहुल गांधी की देश को जोड़ने व नफरत की दुकान बंद करने के लक्ष्य को साकार करना उनका मुख्य लक्ष्य होगा। एडवोकेट एडवोकेट वासु रंजन लंबे समय से जनहित के मुद्दों को उठाते आ रहे हैं।

चाहे शंभू बॉर्डर खोलने का मामला हो, पंजाब सरकार द्वारा एफआईआर डाउनलोड करने पर 40 रुपये शुल्क लगाने का मुद्दा हो या बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा न मिलने का विषय इन सभी मामलों में उन्होंने समय-समय पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इसके अलावा, काउंसिल ऑफ लॉयर्स के माध्यम से वे गरीब और जरूरतमंद लोगों की लगातार मदद करते आ रहे हैं। इस अवसर पर पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने एडवोकेट वासु रंजन द्वारा कांग्रेस में आस्था जताने पर आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके जुड़ने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

एडवोकेट वासु रंजन ने आगे कहा कि आने वाले समय में वह पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे और पूरे पंजाब में संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस एक बार फिर पंजाब में मजबूत होकर उभरेगी।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्ग मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

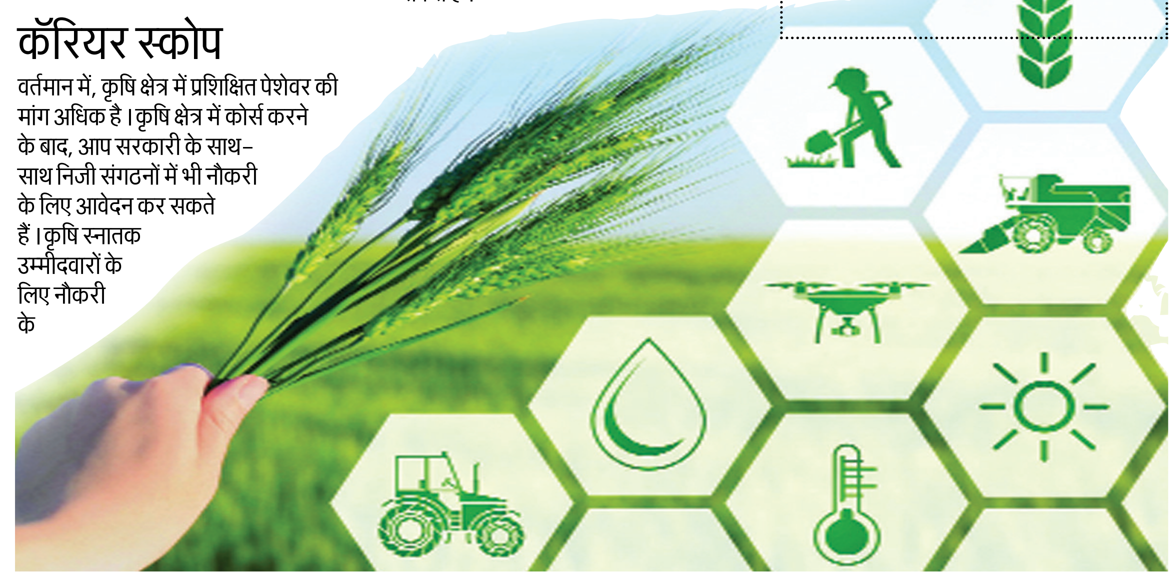

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं ग्यायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता – स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निंशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण – स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी – स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

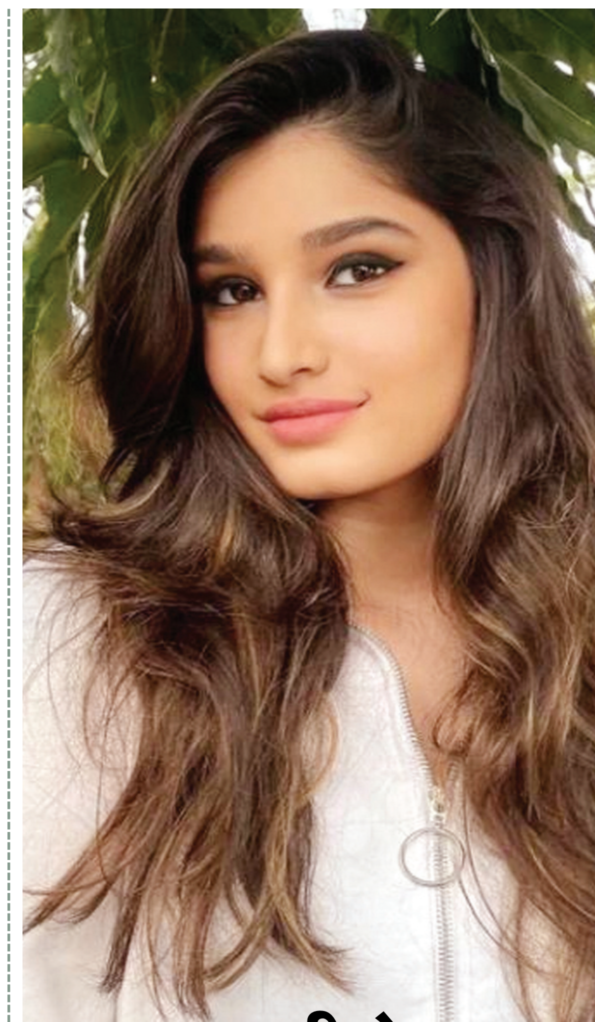

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मर्शियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।